BGVS

मूली

कहानी : स्नेहलता शुक्ला
चित्रः दिगम्बर तळेकर

इस पुस्तक का प्रकाशन भारत ज्ञान विज्ञान समिति द्वारा बच्चों में रचनात्मकता और पठन-पाठन संस्कृति विकसित करने के लिए 'बाल पुस्तकमाला' के तहत किया गया है।

मूली Mooli
स्नेहलता शुक्ला Snehlata Shukla

चित्रांकन Illustration
दिगम्बर तलेकर Digambar Talekar

पुस्तकमाला संपादक Series Editor
मनोज कुलकर्णी Manoj Kulkarnii

ग्राफिक्स Graphics
अभय कुमार झा Abhay Kumar Jha

कम्पोजिंग Composing
प्रमोद मिश्रा Pramod Mishra

प्रथम संस्करण First Edition
जून, 2011 June, 2011

सहयोग राशि Contributory Price
45 रुपये Rs. 45

मुद्रण Printing
क्रिसेन्ट प्रिंट सॉल्यूशन्स Crescent Print Solutions
नई दिल्ली 110 018 New Delhi - 110 018

ISBN:-978-81-921705-2-7

© भारत ज्ञान विज्ञान समिति

ज्ञान विज्ञान प्रकाशन

BHARAT GYAN VIGYAN SAMITI

Basement of Y.W.A. Hostel, G Block, Saket, New Delhi - 110 017
Phone : 011-2656 9943, Phone-Fax : 011-2656 9773
e-mail : bgvsdelhi@gmail.com, website : www.bgvs.org

मूली

कहानी : स्नेहलता शुक्ला
चित्र: दिगम्बर तळेकर

नानाजी ने बगीचे में मूली बोयी।

मूली से नानाजी बोले "उगो-उगो मूली। मजबूत बनो और लंबी हो।"

उग आयी मोटी और लंबी मूली।

नानाजी गए उसे निकालने।

खींचते रहे, अपना पूरा जोर लगाया, मगर मूली को बाहर न ला पाए।

तो फिर नानी को आवाज़ लगायी।

नानी ने थामा नाना को, नाना ने थामा मूली को।
दोनों ने पूरा जोर लगाया।

मगर मूली को दोनों निकाल न पाये। तभी नानी ने पोती को बुलाया।

पोती ने थामा नानी को, नानी ने थामा नाना को, नाना ने थामा मूली को, सबने मिलकर खींचा। मिलकर पूरा ज़ोर लगाया।

मगर मूली को निकाल न पाए। तब पोती ने अपने कुत्ते को बुलाया।

कुत्ते ने पोती को थामा, पोती ने नानी को थामा, नानी ने नाना को थामा, नाना ने मूली को थामा, सभी ने मिलकर जोर लगाया।

आखिर मिलकर सबने मूली को बाहर निकाल ही डाला।

भारत ज्ञान विज्ञान समिति

BGVS

समाज के विकास में जन विज्ञान आंदोलन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। देश में गरीबी, गैर-बराबरी, अन्याय और अज्ञान को खत्म करने और सहयोग, समानता और न्याय के आधार पर एक लोकतांत्रिक सामाजिक व्यवस्था के निर्माण में यह आंदोलन लगातार काम कर रहा है।

देश में फैली असाक्षरता को दूर करने के लिए इस आंदोलन ने वर्ष 1989 में भारत ज्ञान विज्ञान समिति की स्थापना की। जिसका मुख्य काम जनता को अपनी बदहाली के कारणों को जानने के लिए प्रेरित करना है। जनता की सोच को तार्किक और विज्ञान सम्मत बनाने के लिए विज्ञान का प्रसार करना है।

आज भारत ज्ञान विज्ञान समिति की सांगठनिक उपस्थिति देश में 22 प्रदेशों के 400 जिलों और 10,000 से अधिक पंचायतों में है। जहां वो साक्षरता, प्राथमिक शिक्षा, स्त्री सशक्तीकरण, पंचायती राज और स्वास्थ्य जैसे विविध सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत है।

संगठन कला जत्थों, संगोष्ठियों, प्रकाशनों, प्रदर्शनियों और अन्य सामाजिक-सांस्कृतिक तरीकों से समाज में व्याप्त कुरीतियों, अंधविश्वासों और भ्रांत धारणाओं को समाप्त करने के लिए लगातार काम कर रहा है। बच्चों के लिए 'मुफ़्त और अनिवार्य शिक्षा कानून' को लाने एवं लागू करने में भी संगठन का महत्पूर्ण योगदान है।

जनवाचन अभियान इसी प्रक्रिया का हिस्सा है। जिसके तहत अब तक 350 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित की गई हैं। जिनमें नवसाक्षरों, नवपाठकों के साथ ही बच्चों के लिए श्रेष्ठ और तार्किक साहित्य का प्रकाशन शामिल है। देशी-विदेशी महान लेखकों की प्रसिद्ध रचनाओं के अलावा विभिन्न भाषा के भारतीय लेखकों की रचनाएं भी प्रकाशित की गई है। जिन्हें कम से कम मूल्य में अधिक से अधिक पाठकों को उपलब्ध करवाना इस संगठन का उद्देश्य है। भारत ज्ञान विज्ञान समिति एक गैर मुनाफा वाला संगठन है। श्रेष्ठ साहित्य को जन-जन तक पहुंचाना ही इसका मुख्य मकसद है।

स्नेहलता शुक्ला

इन्दौर स्कूल ऑफ सोशल वर्क से समाज कार्य में मास्टर उपाधि। जेंडर और शिक्षा संबधी किताबें तैयार करने में रुचि। सामाजिक आंदोलनों से जुड़ाव। दिल्ली में रहती हैं।

दिगम्बर तळेकर

जे.जे. स्कूल ऑफ आर्टस् से कला शिक्षा, मुंबई में रहते हैं। पिछले पन्द्रह वर्षों से सिनेमा में कला निर्देशन कर रहे हैं।

BGVS

नानाजी बागवानी करते हैं।

बाग में कई पेड़-पौधे उगाते हैं।

नानाजी ने बाग में मूली बोयी।

मूली उग आई।

पर मूली ने नानाजी को किस तरह मुसीबत में डाल दिया ?